IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

भारत में हैंडबॉल खेल की लोकप्रियता एवं खिलाड़ियों के करियर अवसरों का अध्ययन

टेकेश्वर प्रसाद[1] and डॉ. मलखान सिंह[2]

[1]शोधार्थी, शारीरिक शिक्षा-विभाग

[2]शोध निर्देशक, शारीरिक शिक्षा-विभाग

विक्रांत यूनिवर्सिटी, ग्वालियर (म.प्र.), भारत

सारांश

भारत में हैंडबॉल एक गतिशील और टीम-आधारित खेल के रूप में धीरे-धीरे अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। यद्यपि क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी और बैडमिंटन की तुलना में हैंडबॉल को अभी व्यापक जन-लोकप्रियता प्राप्त नहीं हुई है, फिर भी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर इसकी भागीदारी में निरंतर विस्तार देखा जा रहा है। भारत में हैंडबॉल के विकास में हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण तथा खेलो इंडिया जैसी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खेलो इंडिया का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति विकसित करना, प्रतिभा की पहचान करना, प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराना और खिलाड़ियों के लिए खेल को एक संभावित करियर के रूप में विकसित करना है।

मुख्य संकेतक: - हैंडबॉल, लोकप्रियता, खिलाड़ी, करियर अवसर, खेल विकास, खेलो इंडिया, भारत, खेल रोजगार।

परिचय

खेल किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, शारीरिक और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। आधुनिक समय में खेल केवल मनोरंजन या शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, रोजगार, सामाजिक पहचान, नेतृत्व विकास और राष्ट्रीय गौरव से भी जुड़ गया है। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक सरकारी एवं गैर-सरकारी प्रयास किए गए हैं। विशेष रूप से खेलो इंडिया कार्यक्रम ने जमीनी

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान, खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, खेल अकादमियों के समर्थन और खेल अवसंरचना के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।

हैंडबॉल एक तेज गति वाला टीम खेल है जिसमें शारीरिक क्षमता, गति, समन्वय, रणनीतिक सोच, टीमवर्क और मानसिक दृढ़ता का विशेष महत्व है। भारत में हैंडबॉल का संस्थागत विकास कई दशकों से जारी है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना 1971 में हुई और यह भारत में हैंडबॉल, बीच हैंडबॉल तथा व्हीलचेयर हैंडबॉल से संबंधित प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़ा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, विद्यालय एवं विश्वविद्यालय खेलों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होते हैं।

2018 में शुरू हुए खेलो इंडिया स्कूल गेम्स और बाद में खेलो इंडिया यूथ गेम्स ने भारत में युवाओं की खेल भागीदारी को बढ़ाने के लिए एक व्यवस्थित मंच उपलब्ध कराया। वर्ष 2018 में प्रथम खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में 3,507 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जबकि 2019 के खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 5,925 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यद्यपि प्रत्येक संस्करण में हैंडबॉल की स्थिति और भागीदारी अलग-अलग हो सकती है, लेकिन ऐसी प्रतियोगिताएँ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करती हैं।

अध्ययन की पृष्ठभूमि

भारत में खेलों की लोकप्रियता असमान रूप से विकसित हुई है। कुछ खेलों को मीडिया, प्रायोजन, व्यावसायिक लीग और दर्शकों का व्यापक समर्थन प्राप्त है, जबकि अनेक खेल विद्यालय और राज्य स्तर पर लोकप्रिय होने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं। हैंडबॉल इसी श्रेणी का महत्वपूर्ण खेल है। कई ग्रामीण और छोटे शहरों में हैंडबॉल खेलने की परंपरा मौजूद है, लेकिन खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, नियमित प्रतियोगिताओं, खेल छात्रवृत्ति और पेशेवर करियर के बारे में पर्याप्त जानकारी हमेशा उपलब्ध नहीं होती।

खेलो इंडिया योजना खेलों को जमीनी स्तर पर विकसित करने के साथ-साथ प्रतिभा खोज और विकास, खेल अकादमियों, प्रतियोगिताओं तथा खेल अवसंरचना को समर्थन देती है। इससे हैंडबॉल जैसे खेलों के लिए भी प्रतिभा विकास की संभावनाएँ बढ़ती हैं। खेल में सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों के लिए सरकारी विभागों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और खेल संगठनों में रोजगार की संभावनाएँ भी विकसित हो सकती हैं।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. भारत में हैंडबॉल खेल की लोकप्रियता का अध्ययन करना।
2. खिलाड़ियों की हैंडबॉल में भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना।
3. हैंडबॉल खिलाड़ियों को उपलब्ध प्रतियोगितात्मक अवसरों का विश्लेषण करना।
4. खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक एवं व्यावसायिक करियर अवसरों का अध्ययन करना।
5. हैंडबॉल के विकास में सरकारी योजनाओं की भूमिका का अध्ययन करना।
6. हैंडबॉल की लोकप्रियता में आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करना।
7. भारत में हैंडबॉल के भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण करना।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। अध्ययन के लिए 2010 से 2025 तक प्रकाशित शोध साहित्य, खेल-संबंधी दस्तावेज, सरकारी रिपोर्ट, खेल संस्थाओं से संबंधित उपलब्ध जानकारी तथा खेल विकास कार्यक्रमों का उपयोग किया गया है। अध्ययन में द्वितीयक स्रोतों के साथ खिलाड़ियों की खेल भागीदारी और करियर अवसरों से संबंधित विषयों का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। जहाँ उपलब्ध सरकारी स्रोतों में संख्या या योजना-संबंधी तथ्य प्राप्त हुए, उनका उपयोग संदर्भ के रूप में किया गया है। उदाहरण के लिए, खेलो इंडिया के अंतर्गत प्रतिभा खोज एवं विकास व्यवस्था खिलाड़ियों को मान्यता प्राप्त अकादमियों से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

भारत में हैंडबॉल की लोकप्रियता

भारत में हैंडबॉल की लोकप्रियता को विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आधार पर समझा जा सकता है। खेल का विशेष आकर्षण इसकी तेज गति, रोमांचक खेल शैली और टीम भावना में है। विद्यालय स्तर पर हैंडबॉल विद्यार्थियों में शारीरिक फिटनेस, सहयोग, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायता करता है। खेलों में भागीदारी युवाओं के शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास में योगदान देती है। देबनाथ (2019) ने भी खेलो इंडिया के संदर्भ में जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति तथा युवाओं के विकास के महत्व को रेखांकित किया है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

हैंडबॉल की लोकप्रियता का एक महत्वपूर्ण आधार इसकी क्षेत्रीय उपस्थिति है। कुछ राज्यों में विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर इस खेल की मजबूत परंपरा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। HFI की वर्तमान आधिकारिक जानकारी में हजारों सक्रिय खिलाड़ी पहचान-पत्रों तथा अनेक संबद्ध राज्य एवं विभागीय इकाइयों का उल्लेख मिलता है, जो खेल के संगठित ढाँचे की व्यापकता को दर्शाता है।

तालिका 1: भारत में हैंडबॉल लोकप्रियता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

क्रमांक	कारक	लोकप्रियता पर प्रभाव
1	विद्यालय प्रतियोगिताएँ	बच्चों में प्रारंभिक रुचि विकसित करती हैं
2	महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय प्रतियोगिताएँ	प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर
3	राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ	उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा एवं पहचान
4	खेलो इंडिया	प्रतिभा खोज एवं प्रशिक्षण के अवसर
5	राज्य स्तरीय संघ	स्थानीय स्तर पर खेल का विस्तार
6	मीडिया कवरेज	खेल की सार्वजनिक पहचान बढ़ाती है
7	पेशेवर प्रतियोगिताएँ	खिलाड़ियों के आर्थिक अवसर बढ़ाती हैं
8	खेल अवसंरचना	नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण को संभव बनाती है

खिलाड़ियों की भागीदारी एवं प्रशिक्षण अवसर

हैंडबॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नियमित प्रशिक्षण, वैज्ञानिक खेल प्रशिक्षण, पोषण, फिटनेस, मानसिक तैयारी और प्रतियोगितात्मक अनुभव आवश्यक हैं। खेलो इंडिया के अंतर्गत प्रतिभा पहचान एवं विकास को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। 2019 तक इस कार्यक्रम में हजारों युवा खिलाड़ियों की पहचान की गई थी और चयनित खिलाड़ियों को मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण का अवसर दिया गया था।

हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए विद्यालय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक एक क्रमिक विकास प्रणाली उपयोगी हो सकती है। खिलाड़ी पहले विद्यालय टीम में चयनित होकर जिला एवं राज्य प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है। इसके

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

बाद राज्य या राष्ट्रीय शिविरों के माध्यम से उच्च स्तर की टीम में चयन की संभावना बढ़ती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनकर एशियाई एवं विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं।

हैंडबॉल खिलाड़ियों के करियर अवसर

हैंडबॉल में करियर केवल राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं है। खेल में विशेषज्ञता प्राप्त करने के बाद व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकता है।

तालिका 2: हैंडबॉल खिलाड़ियों के प्रमुख करियर अवसर

क्रमांक	करियर क्षेत्र	संभावित भूमिका
1	पेशेवर खिलाड़ी	राष्ट्रीय/राज्य/क्लब खिलाड़ी
2	प्रशिक्षक	विद्यालय, महाविद्यालय, अकादमी या क्लब प्रशिक्षक
3	शारीरिक शिक्षा	विद्यालय एवं महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा शिक्षक
4	खेल प्रशासन	खेल संघ एवं संस्थागत प्रशासन
5	निर्णायक	राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के निर्णायक
6	फिटनेस प्रशिक्षण	खिलाड़ी फिटनेस एवं कंडीशनिंग प्रशिक्षक
7	खेल विज्ञान	प्रदर्शन विश्लेषण एवं खेल विज्ञान
8	खेल पत्रकारिता	खेल रिपोर्टिंग एवं मीडिया
9	खेल प्रबंधन	प्रतियोगिता एवं टीम प्रबंधन
10	सरकारी रोजगार	खेल उपलब्धि/खेल कोटे से संबंधित अवसर
11	खेल अकादमी	निजी प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षक
12	उद्यमिता	खेल अकादमी, फिटनेस सेंटर एवं प्रशिक्षण संस्थान

खेलो इंडिया का वर्तमान ढाँचा खेल प्रतियोगिताओं, प्रतिभा विकास, खेल केंद्रों और अकादमियों को समर्थन देता है, जिससे खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रशिक्षकों और खेल-संबंधी पेशेवरों के लिए भी व्यापक पारिस्थितिकी विकसित होती है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 11, June 2026 Impact Factor: 8.2

खेल कोटे और रोजगार की संभावनाएँ

भारत में खेल उपलब्धि रखने वाले खिलाड़ियों के लिए सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार एक महत्वपूर्ण करियर मार्ग हो सकता है। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय तथा निर्धारित स्तर की खेल उपलब्धियाँ कुछ संस्थानों में खेल-आधारित भर्ती के लिए उपयोगी हो सकती हैं, हालांकि पात्रता और चयन नियम संस्था एवं भर्ती अधिसूचना के अनुसार अलग-अलग होते हैं। इसलिए खिलाड़ियों को केवल खेल प्रदर्शन पर निर्भर न रहकर शैक्षणिक योग्यता भी विकसित करनी चाहिए।

खेल और शिक्षा के बीच संतुलन को खेलो इंडिया की नीतियों में भी महत्व दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार योजना के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों की शिक्षा जारी रखने के लिए भी सहायता का प्रावधान किया गया है। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के दीर्घकालिक करियर विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

पेशेवर लीग और आर्थिक अवसर

भारत में पेशेवर खेल लीगों के विकास ने खिलाड़ियों के आर्थिक अवसरों की चर्चा को अधिक महत्वपूर्ण बनाया है। हैंडबॉल में पेशेवर प्रतियोगिता की दिशा में भी प्रयास हुए हैं। 2025 में रिपोर्ट की गई जानकारी के अनुसार नागपुर में प्रस्तावित हैंडबॉल प्रो लीग के माध्यम से पुरुष एवं महिला टीमों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक मंच और पुरस्कार राशि उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई थी। इस प्रकार की पेशेवर प्रतियोगिताएँ खिलाड़ियों को मैच फीस, पुरस्कार, प्रायोजन और व्यापक मीडिया पहचान प्राप्त करने के अवसर दे सकती हैं।

हालांकि पेशेवर लीगों की स्थिरता, प्रसारण, प्रायोजन और दर्शक संख्या बढ़ाना आवश्यक है। यदि नियमित राष्ट्रीय लीग, विश्वविद्यालय लीग और राज्य स्तरीय क्लब प्रतियोगिताएँ विकसित होती हैं, तो खिलाड़ियों के लिए खेल को दीर्घकालिक पेशे के रूप में अपनाना अधिक आकर्षक हो सकता है।

हैंडबॉल की लोकप्रियता में प्रमुख बाधाएँ

भारत में हैंडबॉल के विकास के बावजूद अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। पहली चुनौती खेल की अपेक्षाकृत कम मीडिया दृश्यता है। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षित कोचों की असमान उपलब्धता है। तीसरी चुनौती खिलाड़ियों और अभिभावकों के बीच खेल से जुड़े दीर्घकालिक करियर अवसरों के बारे में पर्याप्त जानकारी का अभाव है। चौथी समस्या आर्थिक सहायता, उपकरण और प्रतियोगिताओं की नियमितता से संबंधित है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

तालिका 3: प्रमुख समस्याएँ एवं समाधान

समस्या	संभावित समाधान
सीमित मीडिया कवरेज	नियमित टीवी एवं डिजिटल प्रसारण
खेल मैदानों की कमी	विद्यालय एवं सामुदायिक खेल केंद्रों का विकास
प्रशिक्षकों की कमी	प्रमाणित कोचिंग कार्यक्रम
आर्थिक कठिनाई	छात्रवृत्ति एवं खेल सहायता
करियर संबंधी जानकारी की कमी	खेल करियर परामर्श केंद्र
कम पेशेवर प्रतियोगिताएँ	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय लीग
ग्रामीण प्रतिभा की पहचान की कमी	जिला स्तर पर प्रतिभा खोज कार्यक्रम
महिला खिलाड़ियों के सीमित अवसर	महिला-केंद्रित प्रतियोगिताएँ एवं लीग
खेल विज्ञान की कमी	फिटनेस, पोषण एवं प्रदर्शन विश्लेषण केंद्र
प्रायोजन की कमी	निजी क्षेत्र और कॉर्पोरेट भागीदारी

खेलो इंडिया की भूमिका

खेलो इंडिया ने भारत में खेल संस्कृति को जमीनी स्तर पर विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के प्रमुख घटकों में खेल अवसंरचना का निर्माण एवं उन्नयन, खेल प्रतियोगिताएँ एवं प्रतिभा विकास, खेल केंद्र एवं अकादमियाँ तथा समावेशी खेल गतिविधियाँ शामिल हैं।

2018 और 2019 के खेलो इंडिया आयोजनों में हजारों युवा खिलाड़ियों की भागीदारी ने यह दिखाया कि राष्ट्रीय स्तर पर संरचित प्रतियोगिताएँ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देती हैं। यदि हैंडबॉल को विद्यालय, विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय खेल विकास कार्यक्रमों के साथ प्रभावी रूप से जोड़ा जाए, तो इसकी प्रतिभा-श्रृंखला और मजबूत हो सकती है।

महिला हैंडबॉल खिलाड़ियों के अवसर

महिला खिलाड़ियों के लिए हैंडबॉल में विकास की संभावनाएँ विशेष महत्व रखती हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विद्यालय स्तर पर नियमित प्रतियोगिताएँ, सुरक्षित प्रशिक्षण वातावरण, महिला प्रशिक्षकों की

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

उपलब्धता, छात्रवृत्ति, आवासीय प्रशिक्षण तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अधिक अवसर आवश्यक हैं। खेलो इंडिया में महिलाओं तथा समावेशी खेल भागीदारी को स्पष्ट रूप से महत्व दिया गया है। महिला हैंडबॉल को लोकप्रिय बनाने के लिए डिजिटल मीडिया का उपयोग भी प्रभावी हो सकता है। खिलाड़ियों की उपलब्धियों, प्रतियोगिताओं और प्रेरक कहानियों को सोशल मीडिया एवं खेल प्रसारण के माध्यम से प्रस्तुत करने से युवा लड़कियों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाई जा सकती है।

चर्चा

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि भारत में हैंडबॉल की स्थिति विरोधाभासी है। एक ओर संगठित संघीय संरचना, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ, प्रशिक्षण शिविर, खेलो इंडिया जैसी सरकारी योजनाएँ और पेशेवर लीग की दिशा में प्रयास खेल के विकास की संभावनाएँ दिखाते हैं; दूसरी ओर क्रिकेट और कुछ अन्य लोकप्रिय खेलों की तुलना में हैंडबॉल की मीडिया उपस्थिति तथा व्यावसायिक संरचना अभी सीमित है। खेलो इंडिया का उद्देश्य ही जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति विकसित करना और प्रतिभा को उच्च स्तर तक पहुँचाने के लिए संरचित व्यवस्था बनाना है।

खिलाड़ियों के करियर की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि खेल को अब केवल प्रतियोगिता के रूप में नहीं देखा जा रहा है। खिलाड़ी, प्रशिक्षक, निर्णायक, खेल प्रशासक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल विश्लेषक और शारीरिक शिक्षा शिक्षक जैसे अनेक पेशे इससे जुड़े हैं। इसलिए हैंडबॉल खिलाड़ियों को खेल कौशल के साथ-साथ शैक्षणिक योग्यता, संचार कौशल, खेल विज्ञान, फिटनेस प्रशिक्षण और डिजिटल तकनीक का ज्ञान भी विकसित करना चाहिए।

निष्कर्ष

भारत में हैंडबॉल खेल की लोकप्रियता धीरे-धीरे विकसित हो रही है और इसके विस्तार की पर्याप्त संभावनाएँ मौजूद हैं। विद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएँ, राष्ट्रीय चैंपियनशिप, राज्य संघ, प्रशिक्षण शिविर, खेलो इंडिया और पेशेवर प्रतियोगिताओं की दिशा में प्रयास इस विकास को गति प्रदान कर सकते हैं। उपलब्ध सरकारी जानकारी यह दर्शाती है कि भारत की खेल नीति में प्रतिभा पहचान, प्रशिक्षण, खेल अवसंरचना और प्रतियोगितात्मक अवसरों को बढ़ाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 11, June 2026
Impact Factor: 8.2

हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए करियर के अवसर भी बहुआयामी हैं। उत्कृष्ट खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के अतिरिक्त प्रशिक्षक, निर्णायक, शारीरिक शिक्षा शिक्षक, फिटनेस प्रशिक्षक, खेल प्रशासक, खेल प्रबंधक और खेल उद्यमी के रूप में अपना भविष्य बना सकते हैं। भविष्य में हैंडबॉल की लोकप्रियता बढ़ाने के लिए अधिक मीडिया प्रचार, पेशेवर लीग, विद्यालय स्तर पर नियमित प्रतियोगिताएँ, ग्रामीण प्रतिभा खोज, महिला हैंडबॉल को विशेष प्रोत्साहन, आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र और खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट करियर मार्गदर्शन आवश्यक हैं। इस प्रकार उचित संस्थागत समर्थन और दीर्घकालिक योजना के माध्यम से हैंडबॉल भारत में एक अधिक प्रभावशाली खेल एवं रोजगार क्षेत्र के रूप में विकसित हो सकता है।

संदर्भ सूची

1. भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय। (2019)। खेलो इंडिया योजना: खेल प्रतिभा खोज एवं विकास संबंधी जानकारी। भारत सरकार।
2. भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय। (2019)। खेलो इंडिया कार्यक्रम। प्रेस सूचना ब्यूरो, भारत सरकार।
3. देबनाथ, पी. (2019)। खेलो इंडिया कार्यक्रम का विद्यालयी बच्चों की खेल संस्कृति एवं विकास पर प्रभाव। जर्नल ऑफ एडवांसेज इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 16(1), 179–181।
4. वानी, ए. ए., एवं गोपीनाथ, वी. (2019)। खेलो इंडिया 2019 के विभिन्न खेल खिलाड़ियों में भावनाओं एवं आत्म-संवाद की तुलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, 14(3), 121–126।
5. वानी, ए. ए., एवं गोपीनाथ, वी. (2019)। खेलो इंडिया खेलों में अंडर-17 एवं अंडर-21 लड़कों और लड़कियों की खेल उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन। द योगिक जर्नल, 4(1)।
6. भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय। (2026)। खेलो इंडिया राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय।
7. खेलो इंडिया। (2026)। खेलो इंडिया: राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम एवं वार्षिक खेल प्रतियोगिताएँ। भारत सरकार।
8. हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया। (2026)। भारत में हैंडबॉल का संगठनात्मक एवं प्रतियोगितात्मक विकास। हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया।